

Darcy Ribeiro

Der Zivilisatorische Prozeß

Herausgegeben,

übersetzt und mit einem Nachwort

von Heinz Rudolf Sonntag

Suhrkamp Verlag

Inhalt

| | |
|---|-----|
| <i>Vorbemerkung des Herausgebers</i> | 7 |
| Vorwort | 9 |
| EINLEITUNG | 14 |
| <i>Theorien der Soziokulturellen Entwicklung</i> | 14 |
| <i>Theoretische Voraussetzungen</i> | 20 |
| <i>Konzeptuelles Schema</i> | 30 |
| <i>Technologische Revolutionen und Zivilisatorische Prozesse</i> | 36 |
| <i>Historische Eingliederung und Evolutive Beschleunigung</i> | 46 |
| DIE ARCHAISCHEN GESELLSCHAFTEN | 55 |
| I. Die Agrarrevolution | 55 |
| <i>Undifferenzierte Gartenbaudörfer und Nomadisierende Hirtenhorden</i> | 59 |
| II. Die Urbane Revolution | 63 |
| <i>Ländliche Handwerker-Staaten und Nomadisierende Hirtenstämme</i> | 71 |
| DIE REGIONALEN ZIVILISATIONEN | 88 |
| III. Die Revolution der Bewässerung | 88 |
| <i>Theokratische Bewässerungsreiche</i> | 90 |
| IV. Die Metallurgische Revolution | 101 |
| <i>Merkantil-Sklavistische Reiche</i> | 102 |
| V. Die Hirten-Revolution | 112 |
| <i>Despotisch-Salvationistische Reiche</i> | 114 |

| | |
|---|-----|
| DIE WELTWEITEN ZIVILISATIONEN | 122 |
| VI. Die Merkantile Revolution | 122 |
| <i>Merkantil-Salvationistische Reiche und Sklavistische Kolonien</i> | 123 |
| <i>Merkantil-Kapitalistische Imperien und der Moderne Kolonialismus</i> | 131 |
| VII. Die Industrielle Revolution | 143 |
| <i>Industrieller Imperialismus und Neokolonialismus</i> | 148 |
| <i>Die Ausbreitung des Sozialismus</i> | 161 |
| | |
| DIE ZIVILISATION DER MENSCHHEIT | 178 |
| VIII. Die Thermonukleare Revolution und die »Zukünftigen Gesellschaften« | 178 |
| | |
| Epilog | 198 |
| Bibliographie | 207 |
| Heinz Rudolf Sonntag | |
| Nachwort | 235 |
| | |
| ANHANG | |
| Heinz Rudolf Sonntag | |
| Gespräch mit Darcy Ribeiro | 257 |